इकाई - IV

12. जब मुझको साँप ने काटा

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. जिस व्यक्ति को चोट लगी है, उसे कैसा लग रहा होगा?
3. हमें अंधविश्वास नहीं करना चाहिए। क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

एक दिन मैंने अपने अहाते में एक छोटा-सा साँप रेंगते देखा। वह धीरे-धीरे रेंग रहा था। मुझको देखते ही वह भागा और वहीं पर पड़े हुए नारियल के एक खोल में घुसकर छिप गया। मैंने पत्थर का एक टुकड़ा उठाया और उससे नारियल के खोल का मुँह बंद कर दिया। उसे लेकर मैं नानी के पास दौड़ गया।

मैंने कहा – नानी, देखो, मैंने साँप पकड़ा है।

SCERT TELANGANA

नानी चीख उठीं – साँप!

वह इतना घबरा गई कि लगीं ज़ोर-ज़ोर से चीखने-पुकारने। नाना ने सुना तो अंदर दौड़े आए। जब उन्हें पता चला कि नारियल के खोल के अंदर साँप है तो उन्होंने मेरे हाथ से उसे छीनकर दूर फेंक दिया। नन्हा साँप बाहर निकल आया और रेंगता हुआ पास की झाड़ी में गायब हो गया।

नाना ने मुझसे कहा – खबरदार, फिर कभी साँप के पास मत जाना। साँप बहुत खतरनाक होता है।

उसी दिन शाम को मैं एक बर्र को पकड़ने की कोशिश कर रहा था कि उसने काट खाया। बड़ी ज़ोर से

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

दर्द उठा। मुझे दर्द से कराहते देखकर नानी ने सोचा कि मुझे साँप ने काट लिया है। मैंने दौड़कर नानी को उँगली दिखाई। उन्होंने जल्दी से नाना को पुकारा। नाना तुरंत दौड़े आए और मेरी उँगली को देखा। जहाँ बर्र ने काटा था, वहाँ नीला निशान पड़ गया था। वह चट मुझे गोद में उठाकर बाहर भागे।

बाग और धान के खेतों को पार करके भागते-भागते वह अपने घर से दूर एक छोटी-सी झोंपड़ी के सामने जाकर रुके। वहाँ पहुँचते ही उन्होंने आवाज़ लगाई।

एक बूढ़ा आदमी बाहर निकला। वह साँप के काटने

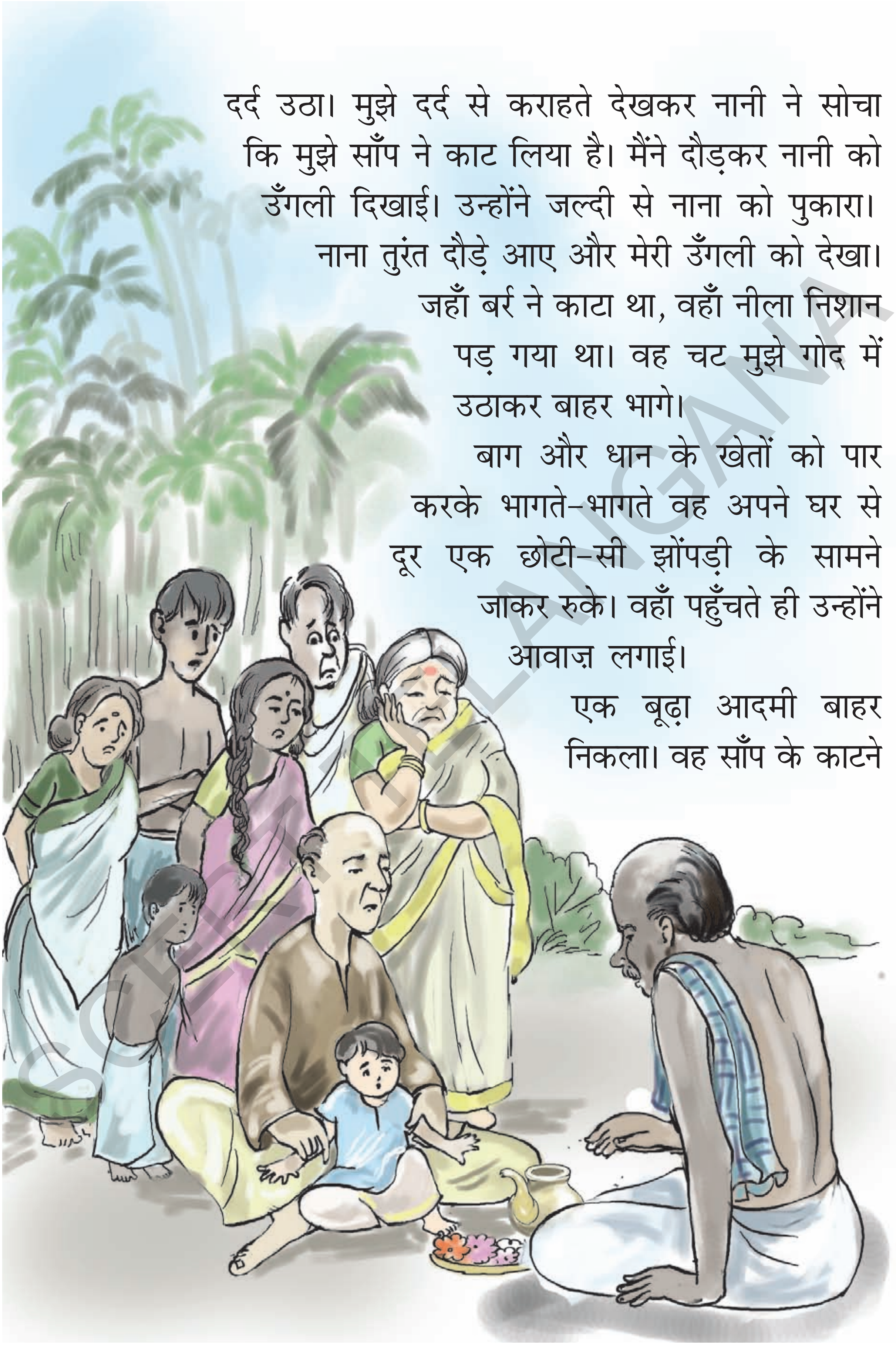

SCERT TELANGANA

का मंत्र जानता था। नाना ने उससे कहा – इस बच्चे को साँप ने काट लिया है। इसकी झाड़-फूँक कर दो।

बूढ़ा मुझे झोंपड़ी में ले गया।

उसने मेरी उँगली देखी और बोला – चुपचाप बैठो। हिलना-डुलना मत।

फिर पीतल के बर्तन में पानी लाया और मेरे सामने बैठकर मंत्र पढ़ने लगा।

मैं चाहता तो बहुत था कि उस बूढ़े को बता दूँ कि मुझे साँप ने नहीं, बर्र ने काटा है। पर मेरे नाना मुझे कसकर पकड़े रहे और मुझे बोलने ही नहीं दिया। जैसे ही मैं कुछ कहने को मुँह खोलता, वह डाँटकर कहते – चुप! डर के मारे मैं चुप हो जाता। हमारे पीछे-पीछे हमारी नानी भी कई लोगों के साथ वहाँ आ पहुँची। सब लोग उदास खड़े देखते रहे।

तब तक मेरी उँगली का दर्द जा चुका था। फिर भी मुझे वहाँ ज़बरदस्ती बैठकर झाड़-फूँक करवानी पड़ रही थी। कुछ मिनट बाद बूढ़ा आदमी उठा। उसने उसी बर्तन के पानी से मेरी उँगली धोई और मुझे पिलाया भी। उसने मुझे बोलने से मना कर दिया ताकि दवा का पूरा असर हो। फिर वह नाना से बोला – जय हो भगवान की! अब बच्चा खतरे से बाहर है। अच्छा हुआ, आप समय रहते मेरे पास ले आए। बड़े ज़हरीले साँप ने काटा था।

सब लोगों ने बूढ़े को उसके अद्‌भुत इलाज के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। घर लौटने के बाद नाना ने उसके लिए बहुत-सी चीज़ें भेंट में भेजीं।

शंकर

तेलंगाणा राज्य सरकार द्‌वारा निशुल्क वितरण 2020-21
SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. आप किस रेंगने वाले जानवर से डरते हैं और क्यों?
2. क्या आप ने कभी साँप देखा है? अगर देखा तो कहाँ?

पढ़िए

1. जब साँप नारियल के खोल में घुस गया तो लड़के ने क्या किया?
2. बर्र के काटने पर लड़के को उसके नाना कहाँ ले गये?
3. बूढ़े आदमी ने साँप के काटने का क्या इलाज किया?

लिखिए

1. नाना लड़के को झाड़फूँक आदमी के पास क्यों ले गये होंगे?
2. किसी एक रेंगने वाले जानवर के बारे में लिखिए।
3. साँप के काटने पर हमें किसके पास इलाज के लिए जाना चाहिए और क्यों?

शब्द भंडार

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उन शब्दों में से कुछ शब्द घर से संबंधित हैं। उन पर घेरा लगाइए।

अहाता	आँगन	बरामदा	ज़ीना	अटारी
आला	घेर	सीढ़ी	छत	सड़क
रसोई	छज्जा	दालान	अस्तबल	रहट
नहर	पुलिया	जोहड़	डाकघर	टाँड
	कमरा	मुँडेर		

SCERT TELANGANA

- अलग-अलग निशानों से पता चलता है कि बात कैसे कही गई होगी। अब नीचे लिखे वाक्यों में सही निशान लगाइए। अब इन्हें बोलकर देखिए।

✧ नानी चीख उठी साँप

✧ साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था

✧ क्या तुम बाज़ार चलोगी

✧ चुपचाप बैठो हिलना-डुलना मत

✧ तुम्हें यह कहानी कैसी लगी

✧ अहा कितनी मीठी है

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

■ इस पाठ के आधार पर वार्तालाप **कीजिए**।

प्रशंसा

■ अंधविश्वासों के प्रति जागरूकता प्राप्त कर अपने साथियों को **बताइए**।

भाषा की बात

क्या कहेंगे

आप लड़के को क्या कहेंगे? कारण देकर बताइए।

निडर, नादान, होशियार, शरारती, डरपोक, शर्मीला

(याद रखिए वह खोल में साँप लेकर भागा था।)

SCERT TELANGANA

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर अंधविश्वास को मिटाने के लिए भाषण दे सकता/सकती हूँ।		

■ मुझे मेरी माँ तक **पहुँचाइए।**

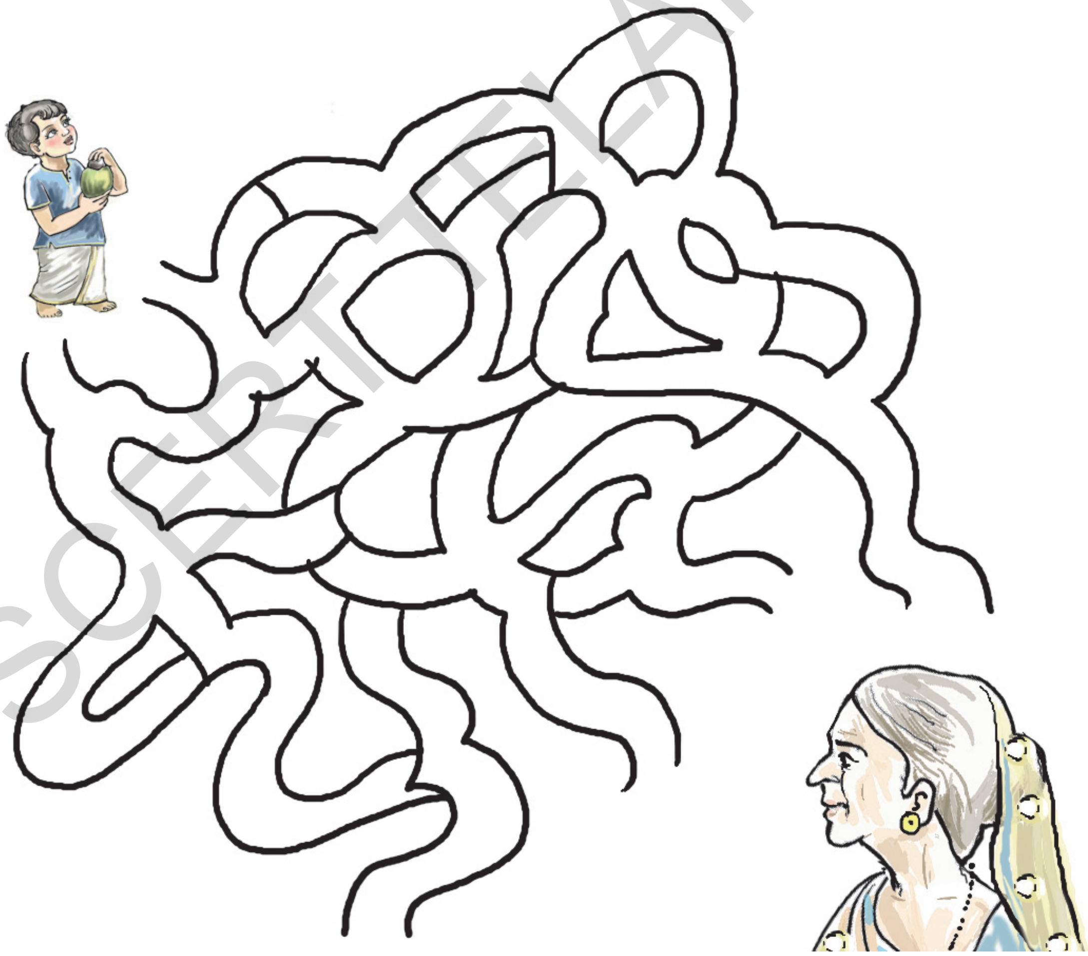

SCERT TELANGANA

क्या आप जानते हैं?

- साँप अपना भोजन चबाते नहीं हैं। वे भोजन साबुत निगलते हैं।
- साँप कभी बढ़ना बंद नहीं करते।
- साँप नाक से नहीं सूँघते। सूँघने के लिए साँप जीभ का इस्तेमाल करते हैं।
- साँप के कान नहीं होते। इसलिए साँप बीन की धुन सुनकर नहीं नाच सकता। वास्तव में वह बीन बजाने वाले सपेरे से डरकर अपना फन फैला लेता है और लोग समझते हैं वह झूम रहा है।
- साँप दूध नहीं पीते। कुछ सँपेरे साँप को ज़बरदस्ती दूध पिलाते हैं पर इससे साँप मर भी सकता है।
- भारत में लगभग 50 तरह के साँप ज़हरीले हैं पर सिर्फ़ 4 साँपों के ज़हर से आदमी को खतरा होता है।

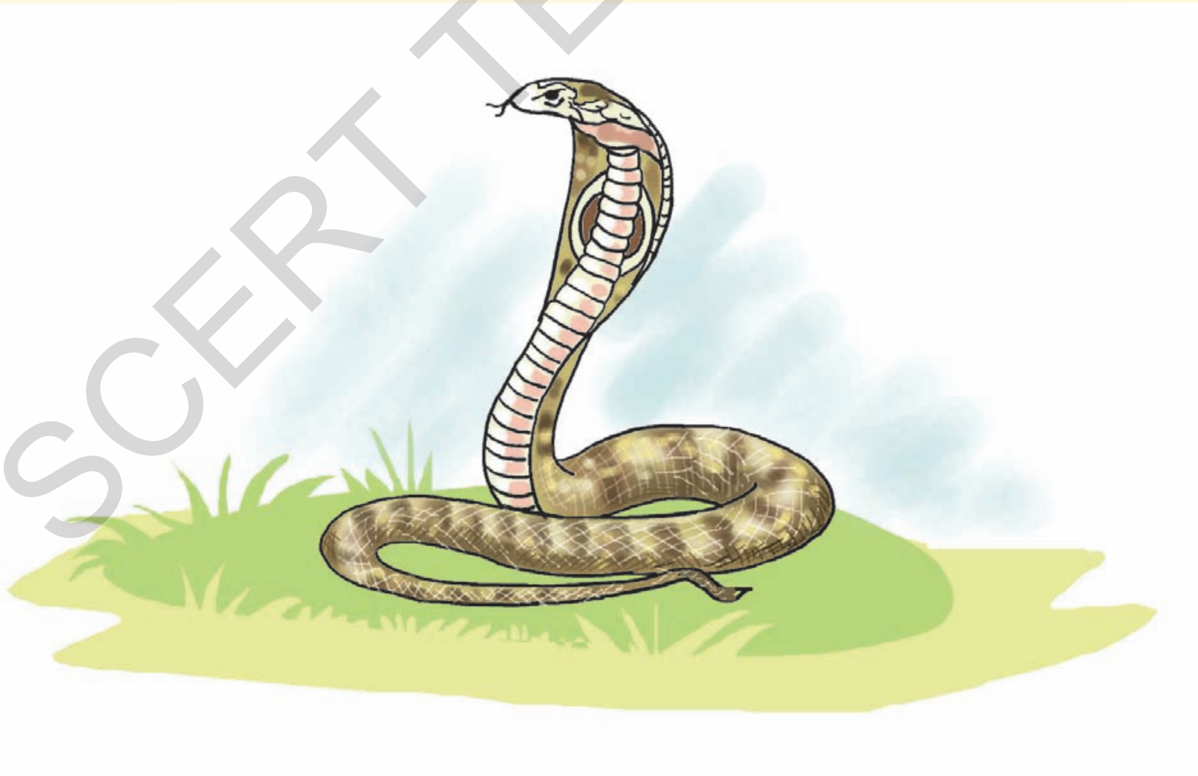

SCERT TELANGANA

पढ़िए - आनंद लीजिए

बच्चों के पत्र

कैलाश कालोनी,
19 नवंबर 2005

प्यारी मौसी,

नमस्ते, मौसी आप की याद आती है। जब आप नहीं होती तो मुझे रोना आता है। मौसी ज़रूर रक्षाबंधन पर आना। मौसी भाई और बहन कैसी है और आप कैसी हो। हम यहाँ ठीक है लेकिन छोटे भाई को बुखार आ गया था। अब तो वह ठीक है। मौसी हमारे घर कब आओगी। मौसी जरूर आना हमारे घर हम पार्टी बनाएँगे। ममता और रोहित पढ़ने जाते है तो उनसे कहना वो दोनों ध्यान से पढ़े। राहुल तो रोता है कहता है कि मुझे मम्मी के पास जाना है। हम किसी दिन आएँगे। मौसी मैं पत्र बंद करती हूँ। छोटे भाई-बहन को प्यार देना।

आपकी बेटी,
राधा

SCERT TELANGANA

अरेरा कालोनी
भोपाल
10 अप्रैल 2005

आदरणीय बुआजी,

नमस्ते।

आशा है आप सब ठीक होंगे। मेरी यहाँ परीक्षा होने वाली है। इस बार माँ ने कहा है कि गर्मी की छुट्टियों में हम सब आपके पास आ रहे हैं। मुझे आपकी बहुत याद आती है। मुनिया दादी और राजू भैया कैसे हैं? हम सब छुट्टियों में खूब खेलेंगे। गाँव में आम भी ढेर सारे खाएँगे। मैं आप सबके लिये यहाँ से क्या लाऊँ? बुआ जी जब मैं आऊँगी तो आप मेरे खाने के लिए मालपुआ की तैयारी करके रखना। बाकी बातें मिलने पर करेंगे।

आपकी बेटी
महिमा

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21